



Shiv Basahi

06 Nov 2004

01:45 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120140903

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 5-06/11/2004
दिन _____: शुक्र-शनिवार
जन्म समय _____: 01:45:00 घंटे
इष्ट _____: 47:51:23 घटी
स्थान _____: Delhi
देश _____: India

अक्षांश _____: 28:39:00 उत्तर
रेखांश _____: 77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 01:23:52 घंटे
वेलान्तर _____: 00:16:26 घंटे
साम्पातिक काल _____: 04:25:27 घंटे
सूर्योदय _____: 06:36:26 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:32:55 घंटे
दिनमान _____: 10:56:29 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: हेमन्त
सूर्य के अंश _____: 19:50:07 तुला
लग्न के अंश _____: 15:19:02 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी _____: कर्क - चन्द्र
नक्षत्र-चरण _____: आश्लेषा - 3
नक्षत्र स्वामी _____: बुध
योग _____: शुक्ल
करण _____: तैत्तिरीय
गण _____: राक्षस
योनि _____: मार्जार
नाड़ी _____: अन्त्य
वर्ण _____: विप्र
वश्य _____: जलचर
वर्ग _____: श्वान
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: जल
जन्म नामाक्षर _____: डे-डेविड
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: वृश्चिक

पंडित विजय प्रकाश ढौंडियाल

शिव मंदिर, बी-ब्लॉक लोक विहार, पीतम पुरा न्यू दिल्ली - 110034

9350991829

vijayprakash.dhaundiyal@gmail.com

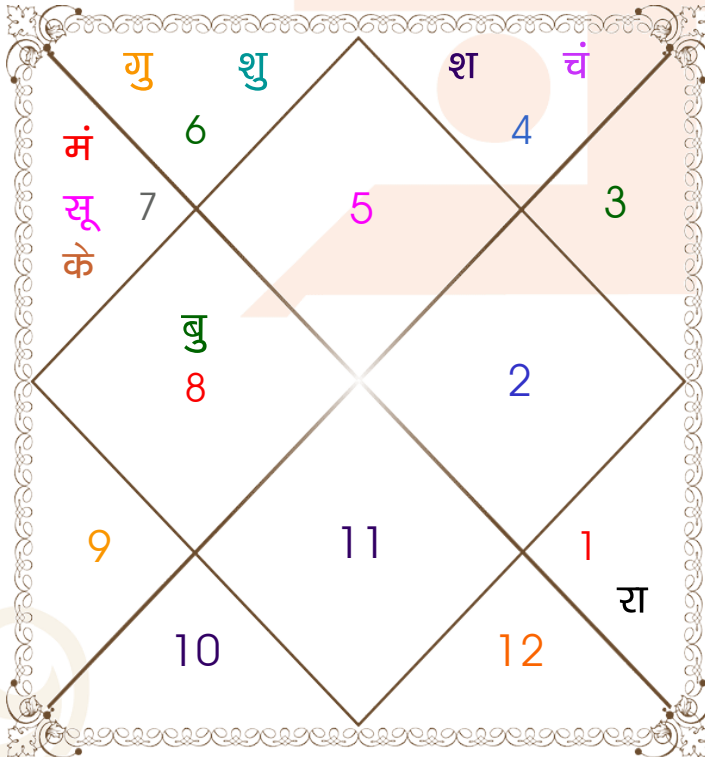
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व अ राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न	सिंह	15:19:02	314:59:41	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	---
सूर्य	तुला	19:50:07	01:00:11	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	नीच राशि
चंद्र	कर्क	26:29:10	12:10:53	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	गुरु	स्वराशि
मंगल	तुला	02:30:55	00:39:43	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	केतु	सम राशि
बुध	वृश्चि	07:50:16	01:25:14	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	सम राशि
गुरु	कन्या	14:47:26	00:11:43	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र	कन्या	15:33:38	01:13:06	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	नीच राशि
शनि	कर्क	03:24:56	00:00:17	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	शत्रु राशि
राहु	मेष	08:08:43	00:00:03	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	शत्रु राशि
केतु	तुला	08:08:43	00:00:03	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	सम राशि
हर्ष	व कुंभ	08:57:55	00:00:18	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
नेप	मक	18:43:41	00:00:25	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो	वृश्चि	26:46:11	00:01:54	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	---
दशम भाव	वृष	14:11:50	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	--

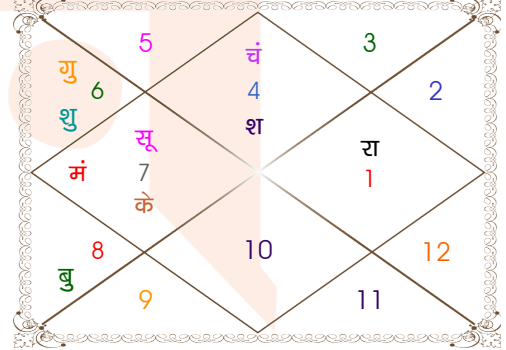
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:19

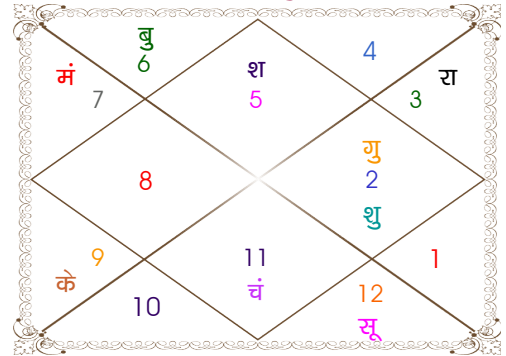
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



पंडित विजय प्रकाश ठौडियाल

शिव मंदिर, बी-ब्लॉक लोक विहार, पीतम पुरा न्यू दिल्ली - 110034

9350991829

vijayprakash.dhaundiyal@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 4 वर्ष 5 मास 23 दिन

बुध 17 वर्ष 06/11/2004 30/04/2009	केतु 7 वर्ष 30/04/2009 30/04/2016	शुक्र 20 वर्ष 30/04/2016 30/04/2036	सूर्य 6 वर्ष 30/04/2036 30/04/2042	चंद्र 10 वर्ष 30/04/2042 30/04/2052
00/00/0000	केतु 26/09/2009	शुक्र 30/08/2019	सूर्य 17/08/2036	चंद्र 01/03/2043
00/00/0000	शुक्र 26/11/2010	सूर्य 29/08/2020	चंद्र 16/02/2037	मंगल 30/09/2043
00/00/0000	सूर्य 03/04/2011	चंद्र 30/04/2022	मंगल 24/06/2037	राहु 31/03/2045
00/00/0000	चंद्र 02/11/2011	मंगल 30/06/2023	राहु 18/05/2038	गुरु 31/07/2046
00/00/0000	मंगल 30/03/2012	राहु 30/06/2026	गुरु 07/03/2039	शनि 29/02/2048
00/00/0000	राहु 18/04/2013	गुरु 28/02/2029	शनि 17/02/2040	बुध 30/07/2049
06/11/2004	गुरु 25/03/2014	शनि 30/04/2032	बुध 23/12/2040	केतु 28/02/2050
गुरु 21/08/2006	शनि 04/05/2015	बुध 01/03/2035	केतु 30/04/2041	शुक्र 30/10/2051
शनि 30/04/2009	बुध 30/04/2016	केतु 30/04/2036	शुक्र 30/04/2042	सूर्य 30/04/2052
मंगल 7 वर्ष 30/04/2052 30/04/2059	राहु 18 वर्ष 30/04/2059 30/04/2077	गुरु 16 वर्ष 30/04/2077 30/04/2093	शनि 19 वर्ष 30/04/2093 01/05/2112	बुध 17 वर्ष 01/05/2112 00/00/0000
मंगल 26/09/2052	राहु 11/01/2062	गुरु 18/06/2079	शनि 03/05/2096	बुध 27/09/2114
राहु 14/10/2053	गुरु 05/06/2064	शनि 29/12/2081	बुध 11/01/2099	केतु 25/09/2115
गुरु 20/09/2054	शनि 12/04/2067	बुध 05/04/2084	केतु 20/02/2100	शुक्र 25/07/2118
शनि 30/10/2055	बुध 30/10/2069	केतु 12/03/2085	शुक्र 22/04/2103	सूर्य 01/06/2119
बुध 26/10/2056	केतु 17/11/2070	शुक्र 11/11/2087	सूर्य 03/04/2104	चंद्र 30/10/2120
केतु 24/03/2057	शुक्र 17/11/2073	सूर्य 29/08/2088	चंद्र 03/11/2105	मंगल 28/10/2121
शुक्र 25/05/2058	सूर्य 12/10/2074	चंद्र 29/12/2089	मंगल 12/12/2106	राहु 16/05/2124
सूर्य 29/09/2058	चंद्र 11/04/2076	मंगल 05/12/2090	राहु 18/10/2109	गुरु 07/11/2124
चंद्र 30/04/2059	मंगल 30/04/2077	राहु 30/04/2093	गुरु 01/05/2112	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 4 वर्ष 5 मा 12 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

पंडित विजय प्रकाश ढौंडियाल

शिव मंदिर, बी-ब्लॉक लोक विहार, पीतम पुरा न्यू दिल्ली - 110034

9350991829

vijayprakash.dhaundiyal@gmail.com

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। सिंह लग्नोदय काल ही सिंह राशि का नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। आपका जन्म प्रभाव यह प्रमाणित कर रहा है कि आपका जीवन सर्वोत्तम प्रकार से व्यतीत होगा। ऐसा तो आपके जीवन का 28 वें वर्ष से आपका समय अच्छे होने लग जाएंगे। आयु के 28 वें वर्ष से 32 वें वर्ष की आयु तक का समय बहुत ही उत्तम एवं अनुकूल होगा।

आपके जीवन का बृहत्तर भाग मखमली अर्थात् “पांचों उंगुली घी में” जैसा लाभजनक रहेगा। इस समय आपके जीवन के सभी आवश्यक पक्ष संतोषजनक रहेगा। आपके लिए सौभाग्य प्रदान करने वाला ऐसा समय हस्तगत होगा कि आप मिट्टी छूओ तो सोना बन जाएगा और आप जिस कार्य को हस्तगत कर लोगे उसी में सफल हो जाओगे।

आप इस बात को अच्छी प्रकार जानते हैं कि लोगों के साथ धन संपत्ति का लेन-देन अर्थात् आदान प्रदान कैसे करेंगे। आपमें यह सामर्थ्य निहित है कि लोगों को अपने पक्ष में लेकर, दूसरों पर किस प्रकार प्रशासन करेंगे। आप किस प्रकार लोगों से सहयोग प्राप्त कर प्रचूर मात्रा में लाभान्वित होंगे तथा आपका कार्य व्यवधान रहित होकर प्रगति करेगा। जब आप किसी को वस्तु उधार दे देते हैं और कोई समस्या उत्पन्न हो जाती है। आप धैर्यपूर्वक संपर्क स्थापित कर समस्या का समाधान कर उस धन या वस्तु को प्राप्त कर लेते हैं।

आप में एक अन्य प्रकार की भव्य क्षमता विद्यमान है। वह यह है कि आप यह जानते हैं कि आप अपने से उच्च अधिकारी को किस प्रकार प्रभावित करेंगे तथा सर्वोच्च अधिकारी से संपर्क अर्थात् सानिध्यता प्राप्त कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप आप लाभप्रद, अधिकारपूर्ण पद प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेंगे। यथा कंपनी का प्रबंधक, अथवा किसी भी निगम और परिषद का निर्देशक पद आदि। आप निश्चित समय पर ऐसी युक्ति पूर्ण चाल को अच्छी प्रकार अपने अधिकारी के पास प्रस्तुत कर देंगे। ताकि आप की चाल सफल हो जाती है। आप में एक अच्छे नेता के गुण विद्यमान हैं।

आप अनेक कलाओं के ज्ञाता एवं सक्षम हैं। आप किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेने में तथा किसी भी विरोधात्मक परिस्थिति को पार कर लेने में सक्षम हैं तथा विरोधियों को परास्त कर सकते हैं। आप अपने किसी भी शत्रुओं के साथ संघर्ष करके विजय श्री प्राप्त करेंगे।

आपके प्रभावशाली उपस्थिति हाव-भाव तथा आकर्षण विपरीत योनि के प्राणी के साथ रहेगा। जिस प्रकार चुंबक अपने आकर्षण शक्ति का प्रभाव लौह पर दिखाता है। उसी प्रकार आपके आकर्षण से स्त्रियाँ वशीभूत हो जाया करेंगी। आपकी इस प्रकार की प्रवृत्ति से आपका समय आनंददायक प्रतीत होता है। परंतु इस प्रकार की प्रवृत्ति तथा कार्य कलाप से आपका पारिवारिक जीवन बाधित हो सकता है। आपके पास प्रिय पत्नी बच्चे एवं आनंददायक भवन का सुख उपलब्ध हो सकता है। अस्तु निरंतर इस पथ पर नहीं चलें। आपके साथ ऐसी समस्या जुड़ी है कि आप पूर्णरूपेण विश्राम नहीं कर पाते। उत्तम स्वास्थ्य के लिए आपको सतर्क रहना

चाहिए। आप सदैव अनेक प्रकार के कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के लिए एक साथ प्रस्थान करते हैं। आपके द्वारा घोर परिश्रम किए जाने से स्नायुविक शक्तियां बुरी तरह पूर्ण रूपेण प्रभावित हो रही हैं। इस प्रकार कुछ समय वर्षों के पश्चात् आपको हृदय से संबंधित समस्याएं, गांठ-गांठ में तथा रीढ़ की हड्डियों में दर्द, रक्तचाप रोगादि से कष्ट समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु विश्राम भी ग्रहण किया करें।

आपको सदैव अपनी एवं अपने परिवार की प्रतिष्ठा के प्रति सतर्क रहते हैं। चाहे कुछ भी हो जाए आप इस बात के लिए किसी भी परिस्थिति में कोई भी समझौता करने को तैयार नहीं हो सकते हैं।

आपके लिए उपयुक्त कार्यव्यवसायों में राजकीय केंद्रीय सरकार की सेवा के अतिरिक्त ट्रांसपोर्ट व्यवसाय, होटल उद्योग अथवा फोटोग्राफी व्यवसाय आदि अनुकूल है।

आपके लिए नारंगी रंग, लाल एवं हरा रंग अनुकूल है। परंतु नीला, सफेद एवं काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक भाग्यशाली अंक है, परंतु आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।